



कृषक सारथी

Monthly Newsletter of
KRISHAK BHARATI COOPERATIVE LIMITED



AN ESTEEMED VISIT:

Our Hon'ble Union Minister for Home and Cooperation Shri Amit Shah graces Kribhco Office

Marketing Director's Message

Dear Cooperators',

I am delighted to know that the issues of Krishak Saarathi are becoming a popular platform for knowledge dissemination among our cooperative brothers and farmers.

It was a distinct privilege for us to receive the esteemed Union Minister of Home and Cooperation, Shri Amit Shah Ji, at the KRIBHCO headquarters on August 18th, 2023. During our conversation with the Minister, he emphasized and motivated us to enhance the cooperative infrastructure throughout the nation through the adoption of 1000 PACS (Primary Agricultural Cooperative Societies).

The Minister also underscored the interconnectedness of agricultural growth, cooperative prosperity, and the well-being of the farming community through innovative approaches. In the course of the visit, KRIBHCO's Chairman assured him that KRIBHCO would consistently adhere to his guidance and implement all strategies aimed at fortifying the cooperative movement in the country.

I would like to extend my congratulations to the editorial team for their successful publication of seven issues of Krishak Saarathi, which has garnered significant popularity among our readers. I wish them the utmost success in all their future endeavors.



V. S. R. Prasad
Marketing Director



I am elated to bring out the Eighth Issue of our monthly newsletter "Krishak Saarathi" to you.

This month, we present a special edition highlighting the visit of the esteemed Union Minister of Home and Cooperation, Shri Amit Shah, to the corporate headquarters of KRIBHCO in Noida. This visit, which took place on August 18th, 2023, was brief but significant. Our distinguished board of Directors extended a warm and grand welcome, underscoring our profound appreciation for his presence. During his interaction and meeting with the Board of Directors, the Minister articulated his vision to bolster the cooperative movement in India. He

proposed that KRIBHCO should shoulder the responsibility of adopting 1000 PACS (Primary Agricultural Cooperative Societies) to facilitate the seamless supply, storage, and distribution of fertilizers. Furthermore, the Minister also took the opportunity to tour our Soil and Seed Testing Laboratory, where he observed the meticulous testing procedures dedicated to serving the needs of farmers.

Further, the issue also covers package of practice (PoP) of important crops grown during the month of September, making the issue quite informative and educative for everyone.

With active support from all the contributors the 07 issues of Monthly Newsletter has been successfully published. As we continue with our efforts to bring out better content we seek your feedback for further improvements in the Monthly newsletter.

Dr. V. K. Tiwari
Dy. GM (Mktg)

EDITOR'S DESK



Editorial Board

Sh. V S R Prasad, Mktg. Director
Chairman

Dr. V K Tiwari, DGM (Mktg)
Chief Editor

Sh. Sharvan Kumar, CM (Mktg)
Member – FAS

Sh. Devisht Agarwal, DM (MS)
Member – IT and Technical

Sh. Nitesh Kumar Mishra, DM (Mktg)
Editing, Design and Circulation

Sh. Raj Babu Kumar, AM (Mktg)
Member – Agriculture News Updates

Sh. Rishav Arora, AM (MS)
Member – Current Affairs

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 77 वें स्वतंत्रता दिवस पर नई दिल्ली में लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा कि देश की सामाजिक अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा कोऑपरेटिव्स हैं



कि हमने सहकार से समृद्धि का रास्ता अपनाया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के पुणे में सहकारी समितियों के केन्द्रीय पंजीयक (CRCS) कार्यालय के डिजिटल पोर्टल का शुभारंभ किया

सहकारिता के संस्कार महाराष्ट्र से ही पूरे देश में फैले और यहीं का कोऑपरेटिव मॉडल देशभर में सहकारिता आंदोलन को आगे बढ़ा रहा है।

आज मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव को संचालित करने वाले सेंट्रल रजिस्ट्रार (CRCS) कार्यालय का कार्य पूर्णतः डिजिटल हो रहा है, सहकारी समितियों के सभी काम जैसे नई ब्रांच खोलना, दूसरे राज्य में विस्तार करना या ऑडिट करना, ये सभी अब ऑनलाइन हो जायेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सहकार से समृद्धि का विचार बहुत गहरे मंथन के साथ रखा है, पिछले 9 सालों में देश के करोड़ों गरीबों को जीवन की आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम किया है।

देश के गरीब को उद्यम के लिए अगर पूंजी की कमी है, तो उसके लिए सहकारिता आंदोलन एक उत्तम रास्ता है, इसके माध्यम से छोटी पूंजी वाले अनेक लोग इकट्ठा होकर बड़ा उद्यम स्थापित कर सकते हैं।



भारत ने अमूल, इफको व कृषको जैसी सहकारिता की अनेक success stories दुनिया के सामने रखी हैं, अब हमें इसे संजोकर सहकारिता के आंदोलन को नई गति देनी है।

मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी एक्ट, 2022 से सहकारी समितियों की जवाबदेही तय होगी और भाई-भतीजावाद समाप्त होगा जिससे युवा टैलेंट सहकारी आंदोलन से जुड़ पाएंगे।

इस पोर्टल का फायदा देश की 1555 बहुराज्यीय सहकारी समितियों को मिलेगा और इन 1555 में से 42% समितियां केवल महाराष्ट्र में हैं, ये बताता है कि यहाँ सहकारिता आंदोलन कितना मजबूत है।

मोदी सरकार इसी तरह राज्यों की सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार के कार्यालयों का भी कम्प्यूटरीकरण करने जा रही है, जिससे देशभर की 8 लाख कोऑपरेटिव सोसाइटी के साथ संवाद आसान हो जायेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और सतत मार्गदर्शन में PACS को viable बनाने की दिशा में बहुत काम किया जा रहा है।

मोदी सरकार ने अगले 5 सालों में देशभर में 3 लाख नए PACS बनाकर सहकारिता आंदोलन को हर गांव तक पहुंचाने का निर्णय लिया है।



ARTICLE

सितम्बर माह के कृषि कार्य

किसान भाईयों, नमस्कार! सितम्बर माह में सब्जियां एवं बागवानी के लिए काफी महत्वपूर्ण है। कुछ खेतों में फूलगोभी, पत्तागोभी, टमाटर, बैंगन, मिर्ची, गाजर, मूली, लगी हुए हैं तथा कुछ में लगाने की तैयारी है। इस माह कुछ अन्य सब्जियां भी लगा सकते हैं। आलू, जो जल्दी पकते हैं, उसे बोया जाता है। आम के लगाये गये नये पौधों की सुरक्षा करते हैं। अमरुद के बगीचों की सिंचाई करते हैं। धनिया की बुवाई करते हैं। देशी मटर, प्याज, मूली, गाजर, चुकन्दर, सेम, सौफ, देर से आने वाली गोभी, पालक की बुवाई करते हैं। भिण्डी और बरबरी आदि तैयार फसलों की तुड़ाई करते हैं। इस माह खरीफ की फसलें फूल, दूध व पकने की अवस्था में होती है तथा जायद फसलों के लिए उचित माह है।

तीन जरूरी बातें

- तोरिया फसल (अधिक मुनाफा) - यदि खेत मक्का, बाजरा, तिल, लोबिया, मूंग, उदद फसलों के कटने से खाली हो तो तोरिया की फसल सितम्बर के पहले हफ्ते लगा दें, ये गेहूं बोने से पहले नवम्बर में पक जाती है। इससे बरसात की नमी का पूरा उपयोग होगा तथा 6-7 किंटल पैदावार भी मिलेगी।
- बरसीम फसल (गुणकारी चारा) - सितम्बर में लगी फसल, नवम्बर से मई माह तक 4-6 कटाईयों में 300-370 किंटल हरा चारा देती है जिसे पशु बड़े चाव से खाते हैं तथा अधिक दूध देते हैं। इसे हल्की खारी मिट्टी में भी उगाया जा सकता है।
- कपास फसल (अच्छी गुणवत्ता व पैदावार) - कपास में फूल आने पर नेप्थलीन एसिटिक एसिड का 70 मि.ली. फिर 20 दिन बाद 70 मि.ली.को घोल छिड़कने से फूल व टिण्डे गिरते नहीं हैं तथा टिण्डे भी बड़े लगते हैं।



धान

धान में यदि नत्रजन की तीसरी किस्त नहीं दी है तो 3/4 बोरा यूरिया खेत में शाम के समय बिखेर दें। धान में जल प्रबंध ठीक रखें तथा 2 ईंच से अधिक गहरा पानी न हो। सिंचाई के पानी की भी समय-समय पर जांच करवाते रहें। सितम्बर में पत्ता लपेट सूण्डी, टिड्डे तथा तनाछेदक का आक्रमण होने की संभावना रहती है। धान में ब्लास्ट (वदरा) रोग में पत्तियों पर आंख के आकार के धब्बे बनते हैं। यह रोग फसल के फुटाव के समय आता है। रोकथाम के लिए 200 ग्राम कार्वेण्डाजिम 200 लीटर में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़के।

कपास

कपास के पौधों को दीमक, हरे तिले तथा कलियों, फूल व टिण्डों पर अमेरिकन सुण्डी हेलीओथिस आक्रमण होने पर 1 लीटर क्लोरपायरीफास या एंडोसल्फान 200 लीटर पानी में 70 मि.ली. पत्तों पर चिपकने वाला पदार्थ डालकर छिड़कें। देसी कपास सितम्बर में चुनने के लिए तैयार होती है। 10 दिन के अन्दर सूखी व साफ कपास की चुनाई करें। हाइब्रिड कपास में ज्यादा फैलाव रोकने के लिए 30 मि.ली.साईकोसिल (70 प्रतिशत) को 300 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें।

दलहनी फसलें

मूंग, उदद तथा लोबिया - सभी फसलें पकने की अवस्था में रहती हैं तथा पत्ते पीले पड़ते ही काट लें ताकि फलिया झड़ें नहीं। अरहर व सोयाबीन - फसल दाने बनने की अवस्था में हो तो एक हल्की आखिरी सिंचाई कर दें।



राजमा - मैदानों के उत्तरी क्षेत्रों में राजमा उगाने में किसानों में रुचि दिखाई है। इस फसल को सिंचित क्षेत्रों में 10 सितम्बर तक लगा दें नहीं तो पकने के समय ठण्ड पड़ने से दाने कम बनते हैं। राजमा की 47 कि.ग्रा. बीज प्रति एकड़ की दर से राईजोवियम वायो-फर्टिलाइजर से उपचारित करें तथा 1 फुट दूर लाईनों में बीजें। बीजाई के समय आधा बोरा यूरिया तथा आधा बोरा सिंगल सुपर फास्फेट खेत में बीज के नीचे पोरा या केरा से डालें। पहली सिंचाई बीजाई 17 दिन तथा दूसरी 30 दिन बाद करें। बीजाई के 20 दिन बाद एक निराई-गोडाई भी करें। मूंगफली - फूल आने पर सिंचाई जरूर दें। जमीन गीली होने पर फलों से निकली सूई जिससे मुंगफली बनती है आसानी से जमीन में चली जाती है। कीड़ों तथा बीमारियों पर नजर रखें तथा पहले बताये तरीकों से उपचार करें। तिल - फसल काटने में देरी से तिल के दाने झड़ जाते हैं। सितम्बर में जब पोधे पीले पड़ने लगे तो फसल काटकर बंडल बांधकर सीधा रखें। बंडलों को सुखाकर दो बार झाड़ें ताकि सारे दाने बाहर आ जायें।

तिलहनी फसलें

सरसों, तोरिया, राया - फसलें अधिकतर बारानी क्षेत्रों में उगाई जाती है। तोरिया व सरसों हल्की से भारी दोमट मिट्टी में तथा 27-40 से.मी.वर्षा वाले क्षेत्रों में अच्छी होती है। राया सभी प्रकार की मिट्टियों में तथा मध्यम से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। तोरिया की बीजाई 17 सितम्बर तक, सरसों की 27 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक, राया की 30 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक की जाती है। यदि तोरिया के बाद गेहूं बोनी हो तो तोरिया सितम्बर के पहले सप्ताह तक अवश्य लगा दें। बीज रोगरहित व प्रमाणित स्रोत से लें। उन्नत किस्में में, सरसों की - पूसा वोल्ड, वरूणा, सोरम, लक्ष्मी, क्रांति, कृष्णा तोरिया की - संगम, टी.एल-15, टी.एच-68; पी वी टी-37, टीएल-15 भूरी सरसों हरियाणा-1, टी एम एल सी-2 राया की - राया प्रकाश, आर्एच-30; पी.वी.आर 97! सरसों व तोरिया को 2 फुट फासले पर 2 ईंच गहरा बोयें तथा पोधों में 4-6 ईंच दूरी बनाये रखने के लिए 3 सप्ताह बाद छटाई करें। सिंचित खेतों में प्रति एकड़ तोरिया व सरसों को आधा बोरा यूरिया, 2 बोरा सिंगल सुपर फास्फेट तथा 1/3 बोरा म्यूरेट आफ पोटास बीजाई के समय तथा आधा बोरा यूरिया पहली सिंचाई के समय दें। राया में 3/4 बोरा यूरिया, 1 बोरा सिंगल सुपर फास्फेट तथा आधा बोरा म्यूरेट आफ पोटास बीजाई पर तथा 3/4 बोरा यूरिया पहली सिंचाई पर दें। असिंचित क्षेत्रों में खाद की मात्रा आधी कर दें तथा सारी बीजाई पर ही डाल दें। सिंगल सुपरफास्फेट के प्रयोग से तिलहन फसलों में गंधक की कमी पूरी हो जाती है। जिंक सल्फेट

10 कि.ग्रा.प्रति एकड तथा 2 कि.ग्रा.बोरेक्स (बोरान) बीजाई पर डालने से फसल अच्छी रहती है। सड़ीगली 7 टन गोबर की खाद डालने से भी पैदावार में बढ़ोतरी होती है! फूल आने पर सिंचाई देने से पैदावार ज्यादा होती है। तोरिया में एक गोडाई 3 सप्ताह बाद तथा सरसों व राया में दो गोडाईयां लाभदायक होती है।

बरसीम चारा

चारे के लिए सर्वोत्तम फसल है जोकि नवम्बर से मई तक चारे की कई कटाईयां देती है। बीजाई का उचित समय सितम्बर के आखिर सप्ताह से अक्टूबर से पहले सप्ताह तक है।

उन्नत किस्मों में वी।एल-1 व वी।एल-10 तथा मैस्कावी है। बरसीम के 10 कि.ग्रा.रोगरहित बीज को 1 प्रतिशत नमक के घोल में डालकर तैरते हुए बीज फेंक दें तथा नीचे बैठे बीजों को साफ पानी में धोकर फिर राइजोवियम वायोफर्टिलाइजर से उपचारित करें। शुरू में बरसीम की बढ़ोतरी कम होती है तथा शुरू में अधिक चारा प्राप्त करने के लिए 700 ग्राम जापानी सरसों या चार्सीज कैवेज व 10 कि.ग्रा.जई का बीज मिलाकर बोयें। बीजाई के पहले आधा बोरा यूरिया तथा 4 बोरे सिंगल सुपर फास्फेट डालें। हल्की रेतीली मिट्टी में मैंगनीज की कमी पाई जाती है। एक कि.ग्रा.मैंगनीज सल्फेट को 200 लीटर में घोलकर कमी वाली फसल में छिड़क सकते हैं। छिड़काव के 17 दिन बाद ही चारा काटें। काली चींटी बरसीम के बीजों को खा जाती है। इसके बचाव के लिए मिथाईल पैराथियान 2 प्रतिशत का धूडा करें।

सब्जियां

सितम्बर माह सब्जियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। कुछ खेतों में फूलगोभी, पत्तागोभी, टमाटर, बैंगन, मिर्ची, गाजर, मूली लगे हुए हैं तथा कुछ में लगाने की तैयारी है। इस माह कुछ अन्य सब्जियां भी लगा सकते हैं।

बैंगन

यदि पाला से पोषण की रक्षा हो सकती है तो सितम्बर में बैंगन की रोपाई कर सकते हैं। यदि बैंगन एक महीना पहले रोपे है तो यूरिया की 1/2 बोरा प्रति एकड दे दें। दो महीने पुरानी फसल में भी तीसरी मात्रा के लिए 1/2 बोरा यूरिया डाल दें। बैंगन की मोढ़ी फसल में भी 1/2 बोरा प्रति एकड डालें। यूरिया देने से पहले सिंचाई जरूर करें। बैंगन में रस चूसने वाले कीड़ों, फल छेदक तथा दीमक का हमला होता है। दीमक के लिए 0.3 प्रतिशत मिथाईल पैराथियान तथा वाकी कीड़ों के लिए 0.07 प्रतिशत इण्डोसल्फान फूल आने पर छिड़कें। फल लगे हों, तो फल तोड़कर छिड़काव करें। बीमारियों से बचाव के लिए बीजोपचार ही उत्तम विधि है।

टमाटर

विशेष स्थितियों में टमाटर सितम्बर में बोया जा सकता है यदि पाले से बचाव संभव है। यदि टमाटर अगस्त में रोपे हैं तो रोपाई के 27 दिन बाद 1 बोरा यूरिया प्रति एकड डाल दें। 10-17 दिन बाद हल्की सिंचाई करते रहे। टमाटर में निराई-गुडाई अधिक पैदावार के लिए बहुत जरूरी है। सूत्रकृमि की रोकथाम के लिए पूसा-120 किस्म लगायें।

फूलगोभी व पत्तागोभी

अगस्त में बोये पोषे अब रोपाई के लिए तैयार है। हल्की दोमट मिट्टी में 4-7 हफ्ते पुरानी पोष को 1.7 फुट की दूरी पौधों तथा लाईनों में रखें। रोपाई के बाद सिंचाई 7-10 दिन बाद करते रहे। फसल में निराई गुडाई तथा मिट्टी चढ़ाना बहुत जरूरी है। खेत में रोपाई से पहले 2 बोरे सिंगल सुपर फास्फेट, 1/2 बोरा म्युरेट आफ पोटाश तथा 20 टन देशी गली-सड़ी खाद डालें। रोपाई के 17 दिन बाद 1 बोरा यूरिया डालें। क्षारीय मिट्टियों में 7-8 कि.ग्रा.बोरेक्स (बोरान) डालें। कीड़ों से बचाव के लिए 0.2 प्रतिशत मैलाथियान की छिड़काव समय-समय पर आवश्यकतानुसार करें। बीमारियों से बचाव के लिए पोष को 2-3 ग्राम कैप्टान प्रति लीटर पानी में घोलकर डुबोयें।

गाजर, मूली व शलगम

पूसा देशी मूली और गाजर में पूसा केसर व पूसा मेघाली तथा शलगम की व्हाइट-4 और पार्पल टाप व्हाइट ग्लोब सितम्बर में भी लगाई जा सकती है। अगस्त में लगाई फसलें में आधा बोरा यूरिया डालें। हल्की सिंचाई 8-10 दिन बाद करते रहें। सितम्बर में एक गोडाई तथा मिट्टी चढ़ाना अच्छा रहेगा।



बागवानी

सितम्बर माह में सदाबहार पेड जैसे नींबू जाति के फल, आम, बेर, लीची, अमरूद लगा सकते हैं। बाग लगाने से पहले 33 फुट के गड्ढे खोद लें। गड्ढे की उपर की मिट्टी को बराबर सड़ी-गली देसी खाद से मिलाकर तथा 2 कि.ग्रा.जिप्सम भी डालें। दीमक के खतरे वाले क्षेत्र में 10-20 मि.ली. क्लोरपाइरीफास 20 ई.सी. प्रति गड्ढा डालें।

बेर

सितम्बर में इसकी रोपाई हो सकती है। पौधे निकालने से पहले फालतू पत्ते उतार दें। पौधों में 27 फुट दूर लगाने से 72 पेड प्रति एकड लग सकते हैं। नये पौधे की 17 दिन के अन्तर पर सिंचाई करें। सितम्बर के माह में बेर के पुराने बागों की भी सिंचाई करें। अमरूद - की इलाहावादी सफेदा, बनारसी सुरखा तथा सरदार किस्मों को सितम्बर में रोपा जा सकता है। नये बागों की नियमित सिंचाई करें।

अमरूद

की फल-मकखी के रोकथाम के लिए 700 मि.ली.मैलाथियान का 7-10 दिन के अन्तर पर छिड़काव करें।

फूल

सितम्बर माह में सुन्दर फूल बीजने का समय भी है। गैंदा के अलावा, कैलनडुला, विगोनिया, गुलदाउदी, डहलिया, स्वीट पी, सूरजमुखी, जिनीया, डोगपलावर, कारनेसन, पोपी, लारकसपुर इत्यादि फूल के लिए क्यारियां अच्छी तरह तैयार करके बीज दें ताकि सर्दियों में आप सुन्दर फूलों का भी आनन्द ले सकें।



Honorable Home and Cooperative Minister Engages with KRIBHCO Board of Directors on 18.08.2023

- The distinguished Home and Cooperation Minister, Shri Amit Shah, conducted a pivotal meeting with the Board of Directors at the *KRIBHCO (Krishak Bharati Cooperative Limited) headquarter in Noida on August 18th, 2023. The event was welcomed with great enthusiasm, showcasing the organization's deep respect for his visit.
- During this insightful interaction, the Home and Cooperation Minister shared his vision to bolster the cooperative movement and address its developmental gaps in collaboration with KRIBHCO. He emphasized the expansion of KRIBHCO's Rural Development Trust as a mechanism to rectify these deficiencies.
- The Minister proposed that KRIBHCO undertake the responsibility of adopting 1,000 Primary Agricultural Cooperative Societies (PACS) to facilitate fertilizer distribution, common service center operations, and food storage for PACS. He urged the creation of at least 200 model PACs per year, capable of implementing new initiatives introduced by the Ministry of Cooperation.
- Highlighting the synergy between agricultural growth, cooperative prosperity, and the welfare of farming communities, the Minister encouraged innovative measures. He suggested revising the "Crop Pattern" to align with environmentally friendly practices.
- The Minister's engagement extended to visiting the soil and seed testing laboratory, where he personally witnessed the meticulous testing procedures. This step underscored his commitment to modernize agricultural practices while upholding stringent quality standards.
- In his address, the Minister emphasized strengthening the cooperative structure and fostering its growth, particularly in the export domain. He advocated the exploration of novel crop varieties alongside traditional ones, a move aimed at optimizing profits and catering to evolving market dynamics.
- A notable highlight of the visit was the inauguration of the latest edition of KRIBHCO's in-house half-yearly magazine, "KRIBHCO News", by the Minister himself. This magazine serves as a platform to share insights, achievements, and progress within the cooperative and agricultural sectors.
- During the course of the visit, Chairman KRIBHCO assured him that KRIBHCO will act as per his directions and implement all his visions to strengthen the cooperative movement in India.
- The Minister's visit resonated with insightful discourse and commendation for KRIBHCO's pursuits. His presence injected an inspiring aura into the event, reaffirming the organization's dedication to innovation and progress.



New Soil Health Card Scheme

Government of India has made some technological interventions in New Soil Health Card Scheme. The Soil Health Card portal has been revamped and integrated with a Geographic Information System (GIS) system so that all the test results are captured and seen on a map. To make the implementation/monitoring of the scheme smooth and to facilitate farmers an easy access to his soil health card, the mobile application has been made robust with the additional features i.e. restrict the sample collection region for the Village Level Entrepreneur/Operator collecting the soil samples, auto selection of the latitude and longitude of the location, generation of a QR code to link with the sample and test results of all samples directly on the portal from the geo-mapped labs, without any manual intervention. The new system has already been rolled out from April, 2023 and Samples are collected through mobile application. Soil Health Cards are generated on revamped portal. 56 Training sessions to States have been arranged for the new system.

Soil Health Card scheme has been merged in Rashtriya Krishi Vikas Yojana (RKVY) cafeteria scheme as its one component under name 'Soil Health & Fertility' from the year 2022-23

Source:PIB



World's Largest Food/ Grain Storage Plan

The Union Cabinet approved the "World's Largest Grain Storage Plan in Cooperative Sector" as a Pilot Project on May 31, 2023. This plan involves creating agricultural infrastructure at the Primary Agricultural Credit Societies (PACS) level, including warehouses, custom hiring centers, processing units, and Fair Price Shops, using a 'whole-of-Government' approach. The implementation of the plan utilizes government schemes for infrastructure development at the PACS level. An Inter-Ministerial Committee (IMC) led by the Home and Cooperation Minister has been established to oversee the plan's implementation and can modify guidelines and methodologies as needed. A National Level Coordination Committee (NLCC) chaired by the Secretary of the Ministry of Cooperation will oversee the overall implementation and progress of the plan.

To monitor the pilot project's progress and integrate it with existing state-level policies and programs, States/Union Territories have formed State Cooperative Development Committees (SCDC) at the state level and District Cooperative Development Committees (DCDC) at the district level, chaired by the Chief Secretary and District Collector, respectively. These committees include members from various departments and organizations to assess storage capacity, project viability, connectivity, infrastructure, and market linkages, among other factors.



Source:PIB

Area under paddy up 4.4 pc, pulses down 8.3 pc this kharif season: Govt



As of August 25 in the current kharif season, the area dedicated to paddy cultivation has expanded by 4.4 percent, reaching 384.05 lakh hectares. This growth has occurred despite planting delays in Andhra Pradesh and Karnataka, according to data released by the Ministry of Agriculture. However, pulse cultivation has experienced an 8.30 percent decline,

with acreage at 117.44 lakh hectares compared to 128.07 lakh hectares in the same period the previous year.

Compared to the previous year, paddy cultivation has seen substantial growth, with Bihar reporting the most significant increase, expanding from 29.8 lakh hectares to 34.88 lakh hectares. Chhattisgarh also recorded an increase from 33.22 lakh hectares to 37.47 lakh hectares, and Telangana saw growth from 17.36 lakh hectares to 20 lakh hectares during the same period.

However, paddy cultivation has faced challenges in Andhra Pradesh, with only 9.49 lakh hectares cultivated on August 25, a decrease from the 10.69 lakh hectares planted the previous year. Similarly, Karnataka reported lower sowing, with only 5.77 lakh hectares compared to 7.49 lakh hectares during the same period in the previous year.

According to data from the Ministry of Agriculture, the cultivation area for coarse cereals has shown a slight increase, reaching 178.33 lakh hectares in the current kharif season, up from 176.31 lakh hectares in the previous year

To provide relief to over 140 crore citizens of India, Centre to offload 50 LMT of wheat and 25 LMT of rice in open market

Government of India has decided that Food Corporation of India (FCI) shall offload 50 LMT of wheat and 25 LMT of rice in open market in a phased manner under Open Market Sale Scheme (Domestic)[OMSS(D)] for sale through E-auction. Keeping in view the experience of the past 5 e-auctions for rice by FCI, it has been decided that the reserve price will be brought down by Rs 200/qlt and the effective price now will be Rs 2900/qlt. The cost on account of reduction in the reserve price will be borne from the Price Stabilization Fund maintained by the Department of Consumer Affairs.

As on 7.8.2023 in one year, the wheat prices have gone up by 6.77% in retail market and 7.37% in wholesale market. Similarly, the rice prices in retail market have gone up by 10.63% and 11.12% in wholesale market.



Keeping in view the benefit of over 140 crore citizens of the country, Government of India has taken this decision to offer wheat and rice under OMSS(D) to private parties for increasing availability, moderate the rise in market prices and control food inflation. However, it is relevant to mention that Government is also providing foodgrains to NFSA beneficiaries as per their entitlement free of cost as committed under Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojna (PM-GKAY) w.e.f. 1st January, 2023.

Source:PIB



KRIBHCO in News



कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड

KRISHAK BHARATI COOPERATIVE LIMITED

कृषकों भवन, ए-10, सैक्टर-1, नोएडा - 201301, जिला गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)

KRIBHCO Bhawan, A-10, Sector-1, NOIDA - 201301, District Gautam Budh Nagar (U.P.)